NEWS CLIPPING: 20.03.2021

THE TRIBUNE

2-DAY INTERNATIONAL CONFERENCE

Faridabad: A two-day international conference on "Trends and advances in mechanical engineering" was organised by YMCA JC Bose University of Science and Technology Department of Mechanical Engineering. As many as 100 participants from across the country and abroad attended the conference. Bathinda Central University of Punjab Vice-Chancellor Prof RP Tiwari was the chief guest of the session which was presided over by VC Prof Dinesh Kumar. Faridabad Steel Mongers Private Limited managing director and alumnus of the university Yogesh Gupta was the keynote speaker on the occasion. Prof Dinesh said mechanical engineers of the institute had played a significant role in industrial growth of Faridabad. He also urged engineers to ensure their role for the development of the society through research and innovation.

The Tribune Sat, 20 March 2021
https://epaper.tribunei

NEWS CLIPPING: 20.03.2021

HINDUSTAN

वाईएमसीए अन्य तकनीकी संस्थानों में सुधार के लिए मार्गदर्शन करेगा

तैयारी

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार के बल पर ही प्रदेश के तकनीकी संस्थान आगे बढ़ सकेंगे।

इसके लिए जेसी.बोस विश्वविद्यालय प्रदेश के तकनीकी संस्थानों को एनबीए और नैक जैसी केंद्रीय मानक एजेंसियों से मान्यता प्राप्त करने में सहयोग करेगा। विश्वविद्यालय की टीम इसके लिए संस्थानों को मार्गदर्शन सेवाएं प्रदान करेगी। जल्द ही विश्वविद्यालय एआईसीटीई की मार्गदर्शन योजना के तहत प्रदेश के तकनीकी संस्थानों के उत्थान के लिए फैकल्टी डेवलेपमेंट कार्यक्रम, कार्यशालाएं एवं व्याख्यान जैसी गतिविधियों का संचालन करेगा। कुलपति विश्वविद्यालय की एनबीए समन्वयक टीम तथा विभिन्न विभागाध्यक्षों एवं वरिष्ठ संकाय सदस्यों को संबोधित कर रहे थे।

कुलपति ने कहा कि नैक और एनबीए जैसे मानक एजेंसियों द्वारा एक सूचित समीक्षा प्रक्रिया के माध्यम से किसी संस्थान का आवधिक मूल्यांकन उस संस्थान की ताकत और कमजोरियों को जानने और निर्धारित मापदंडों पर शिक्षा के मानक में सुधार का अवसर प्रदान करता है। एआईसीटीई द्वारा निकटवर्ती तकनीकी संस्थानों के गुणवत्ता मानकों में सुधार लाने में सहयोग देने के लिए विश्वविद्यालय को मार्गदर्शक संस्थान का दर्जा दिया गया है। विश्वविद्यालय एआईसीटीई की मार्गदर्शन योजना के तहत नौ तकनीकी संस्थानों को गुणवत्ता मानकों में सुधार के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार को एनबीए मान्यता पत्र भेंट करते हुए एनबीए समन्वयन टीम के सदस्य। ● हिन्दुस्तान

विश्वविद्यालय ने स्वयं को मापदंडों पर साबित किया

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने दावा किया कि विश्वविद्यालय ने विभिन्न गुणवत्ता मूल्यांकन मापदंडों पर खुद को साबित किया। इस समय विश्वविद्यालय के अधिकांश तकनीकी पाठ्यक्रम एनबीए से मान्यता प्राप्त है। विश्वविद्यालय को नैक मान्यता हासिल है। इसलिए, यह विश्वविद्यालय का दायित्व है कि मान्यता हासिल करने के इच्छुक तकनीकी संस्थानों एवं संबद्ध कॉलेजों को मार्गदर्शन और सहायता सेवाएं प्रदान करे।

NEWS CLIPPING: 20.03.2021

NAVBHARAT TIMES

70 शोध पत्र प्रस्तुत किए

एनबीटी न्यूज, फरीदाबादः जेसी बोस यूनिवर्सिटी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में रुझान व प्रगति विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुक्रवार को समापन हुआ। इसमें देश व विदेश के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन के समापन सत्र में सुप्रीम ट्रेयोन लिमिटेड के मुख्य परिचालन अधिकारी नीरज कुमार मित्तल मुख्य अतिथि रहे। इसके संयोजक डॉ. संजीव कुमार व डॉ. भूपेंद्र यादव ने सम्मेलन की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय सम्मेलन के दौरान 6 तकनीकी सत्रों के दौरान लगभग 70 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। इनमें से 34 पेपर फिजिकल मोड व लगभग 35 पेपर ऑनलाइन मोड में प्रस्तुत किए गए। इस मौके पर डॉ. राकेश यादव, एमआर कुरैशी, सुरेश, प्रफेसर सुनंद कुमार, महेंद्र कुमार, डॉ. संजय कुमार, डॉ. संध्या दीक्षित मौजूद थे।

NEWS CLIPPING: 20.03.2021

PUNJAB KESARI

जेसी बोस विश्वविद्यालय तकनीकी संस्थानों की गुणवत्ता सुधार में करेगा सहयोग : दिनेश कुमार

एआईसीटीई की मार्गदर्शन योजना के तहत प्रदेश के तकनीकी संस्थानों के उत्थान के लिए बना रहा है कार्य योजना

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार को एनबीए मान्यता पत्र भेंट करते हुए एनबीए समन्वयन टीम के सदस्य।

फरीदाबाद,19 मार्च (ब्यूरो): जेसी बोस विश्वविद्यालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि जेसी विश्वविद्यालय प्रदेश के तकनीकी संस्थानों को एनबीए और नैक जैसी केन्द्रीय मानक एजेंसियों से मान्यता प्राप्त करने में सहयोग तथा मार्गदर्शन सेवाएं प्रदान करने की पहल करेगा। जल्द ही विश्वविद्यालय एआईसीटीई की मार्गदर्शन योजना के तहत प्रदेश के तकनीकी संस्थानों के उत्थान के लिए फैकल्टी डेवलेपमेंट कार्यक्रम, कार्यशालाएं एवं व्याख्यान जैसी गतिविधियों का संचालन करेगा। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार विश्वविद्यालय की एनबीए समन्वयक टीम तथा विभिन्न विभागाध्यक्षों एवं वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ बातचीत कर रहे थे। एनबीए समन्वयक टीम ने हाल ही में विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों को प्राप्त हुई एनबीए मान्यता की प्रति कुलपति को भेंट की। इस अवसर पर एनबीए के समन्वयक प्रो कोमल कुमार भाटिया, सह-समन्वयक डॉ नीलम दूहन, प्रो. नीलम तुर्क, प्रो. पीआर शर्मा, प्रो. तिलक राज और कुलसचिव डॉ एस.के. गर्ग भी उपस्थित थे। इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि नैक और एनबीए जैसे मानक एजेंसियों द्वारा एक सूचित समीक्षा प्रक्रिया के माध्यम से किसी संस्थान का आवधिक मूल्यांकन उस संस्थान की ताकत और कमजोरियों को जानने तथा निर्धारित मापदंडों पर शिक्षा के मानक में सुधार का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि एआईसीटीई द्वारा निकटवर्ती तकनीकी संस्थानों के गुणवत्ता मानकों में सुधार लाने में सहयोग देने के लिए विश्वविद्यालय को 'मार्गदर्शक संस्थान' का दर्जा दिया गया है। विश्वविद्यालय एआईसीटीई की मार्गदर्शन योजना के तहत नौ तकनीकी संस्थानों को गुणवत्ता मानकों में सुधार के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेगा। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय ने विभिन्न गुणवत्ता मूल्यांकन मापदंडों पर खुद को साबित तथा स्थापित किया है।

इस समय विश्वविद्यालय के अधिकांश तकनीकी पाठ्यक्रमों को एनबीए से मान्यता प्राप्त हैं तथा विश्वविद्यालय को नैक मान्यता हासिल है। इसलिए, यह विश्वविद्यालय का दायित्व है कि मान्यता हासिल करने के इच्छुक तकनीकी संस्थानों एवं संबद्ध कालेजों को मार्गदर्शन और सहायता सेवाएं प्रदान करें ताकि ऐसे संस्थान एनबीए और नैक मान्यता के लिए आवश्यक गुणवत्ता मानकों को प्राप्त करने में सक्षम बन सके। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय के चार बीटेक पाठयक्रमों क प्यूटर इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रूमेंटल एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग को तीन वर्षों के लिए एनबीए द्वारा श्रेणी-1 प्रारूप में मान्यता प्राप्त हुई है। एनबीए एक स्वायत्त संस्थान है जो समय-समय पर तकनीकी संस्थानों तथा पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् द्वारा अनुशंसित मानक तथा मानदंडों के अनुरूप करता है।

NEWS CLIPPING: 20.03.2021

THE PIONEER

मैकेनिकल इंजीनियरिंग पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

फरीदाबाद। जेसी बोस विवि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, वाईएमसीए, फरीदाबाद के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित 'मैकेनिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में रुझान और प्रगति' विषय पर दो दिवसीय अंतरर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हो गया। सम्मेलन में देश-विदेश के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन के दूसरे दिन समापन सत्र में सुप्रीम ट्रेयोन लिमिटेड के मुख्य परिचालन अधिकारी नीरज कुमार मित्तल मुख्य अतिथि रहे। अमेरिका की मैकेनिकल साफ्टवेयर कंपनी एनसिस प्रिंसिपल रिसर्च एंड डेवलपमेंट इंजीनियर डॉ. राकेश यादव, किंग खालिद यूनिवर्सिटी, यूएई से प्रोफेसर एमआर कुरैशी, पीटीसी इंडिया में पार्टनर टेक्निकल मैनेजर सुरेश पेरिंजरी, एनआईटी, हमीरपुर से प्रो. सुनंद कुमार और दीनबंध छोटूराम विश्वविद्यालय से प्रो. महेन्द्र कुमार मुख्य वक्ता रहे। समापन सत्र में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. राज कुमार ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और विभाग की गतिविधियों और सम्मेलन के विषय पर जानकारी दी।

NEWS CLIPPING: 20.03.2021

SATYAJAY TIMES

जे.सी. बोस तकनीकी संस्थानों की गुणवत्ता सुधार में करेगा सहयोग : कुलपति

बल्लभगढ़, 19 मार्च, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोड़ा। जे.सी. बोस विश्वविद्यालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि जे.सी. विश्वविद्यालय प्रदेश के तकनीकी संस्थानों को एनबीए और नैक जैसी केन्द्रीय मानक एजेंसियों से मान्यता प्राप्त करने में सहयोग तथा मार्गदर्शन सेवाएं प्रदान करने की पहल करेगा।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार को एनबीए मान्यता पत्र भेंट करते हुए एनबीए समन्वयन टीम के सदस्य।
छाया : सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।

जल्द ही विश्वविद्यालय एआईसीटीई की मार्गदर्शन योजना के तहत प्रदेश के तकनीकी संस्थानों के उत्थान के लिए फैकल्टी डेवलेपमेंट कार्यक्रम, कार्यशालाएँ एवं व्याख्यान जैसी गतिविधियों का संचालन करेगा। प्रो. दिनेश कुमार विश्वविद्यालय की एनबीए समन्वयक टीम तथा विभिन्न विभागाध्यक्षों एवं वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ बातचीत कर रहे थे। एनबीए समन्वयक टीम ने हाल ही में विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों को प्राप्त हुई एनबीए मान्यता की प्रति कुलपति को भेंट की। इस अवसर पर एनबीए के समन्वयक प्रो कोमल कुमार भाटिया, सह-समन्वयक डॉ नीलम दूहन, प्रो. नीलम तुर्क, प्रो. पी.आर. शर्मा, प्रो. तिलक राज और कुलसचिव डॉ एस.के. गर्ग भी उपस्थित थे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि नैक और एनबीए जैसे मानक एजेंसियों द्वारा एक सुचित समीक्षा प्रक्रिया के माध्यम से किसी संस्थान का आवधिक मूल्यांकन उस संस्थान की ताकत और कमजोरियों को जानने तथा निर्धारित मापदंडों पर शिक्षा के मानक में सुधार का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि एआईसीटीई द्वारा निकटवर्ती तकनीकी संस्थानों के गुणवत्ता मानकों में सुधार लाने में सहयोग देने के लिए विश्वविद्यालय को मार्गदर्शक संस्थान का दर्जा दिया गया है। विश्वविद्यालय एआईसीटीई की मार्गदर्शन योजना के तहत नौ तकनीकी संस्थानों को गुणवत्ता मानकों में सुधार के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेगा। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय ने विभिन्न गुणवत्ता मूल्यांकन मापदंडों पर खुद को साबित तथा स्थापित किया है। इस समय विश्वविद्यालय के अधिकांश तकनीकी पाठ्यक्रमों को एनबीए से मान्यता प्राप्त हैं तथा विश्वविद्यालय को नैक मान्यता हासिल है। इसलिए, यह विश्वविद्यालय का दायित्व है कि मान्यता हासिल करने के इच्छुक तकनीकी संस्थानों एवं संबद्ध कालेजों को मार्गदर्शन और सहायता सेवाएं प्रदान करें ताकि ऐसे संस्थान एनबीए और नैक मान्यता के लिए आवश्यक गुणवत्ता मानकों को प्राप्त करने में सक्षम बन सके।

उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय के चार बीटेक पाठ्यक्रमों कम्प्यूटर इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रुमेंटल एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग को तीन वर्षों के लिए एनबीए द्वारा श्रेणी-1 प्रारूप में मान्यता प्राप्त हुई है। एनबीए एक स्वायत्त संस्थान है जो समय-समय पर तकनीकी संस्थानों तथा पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् द्वारा अनुशंसित मानक तथा मानदंडों के अनुरूप करता है। मान्यता प्रक्रिया के अंतर्गत एनबीए विशेषज्ञ टीम द्वारा 25 फरवरी, 2021 को विश्वविद्यालय में दौरा कर चार विभागों का मूल्यांकन किया गया था।

NEWS CLIPPING: 20.03.2021

DAINIK BHASKAR

जेसी बोस विवि तकनीकी संस्थानों की गुणवत्ता सुधार में करेगा सहयोगः कुलपति

फरीदाबाद| कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि जेसी बोस विश्वविद्यालय प्रदेश के तकनीकी संस्थानों को एनबीए और नैक जैसी केन्द्रीय मानक एजेंसियों से मान्यता प्राप्त करने में सहयोग तथा मार्गदर्शन सेवाएं प्रदान करने की पहल करेगा। जल्द ही विश्वविद्यालय एआईसीटीई की मार्गदर्शन योजना के तहत प्रदेश के तकनीकी संस्थानों के उत्थान के लिए फैकल्टी डेवलेपमेंट कार्यक्रम, कार्यशालाएं एवं व्याख्यान जैसी गतिविधियों का संचालन करेगा। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार विश्वविद्यालय की एनबीए समन्वयक टीम तथा विभिन्न विभागाध्यक्षों एवं वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ बातचीत कर रहे थे। एनबीए समन्वयक टीम ने हाल ही में विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों को प्राप्त हुई एनबीए मान्यता की प्रति कुलपति को भेंट की।